एसडी कॉलेज में पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता आयोजित

*** छात्रों ने एआई और मानवीय मूल्यों पर रखे विचार * एआई के दौर में सफलता के लिए ज़रूरी हैं मानवीय गुण : जनरल वी.पी. मलिक**

चंडीगढ़, 7 मार्च (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से 'एआई के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण' विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई। प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया, अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डी.एस. चीमा और डॉ. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उनके भाषणों पर उपयोगी सुझाव व प्रोत्साहन दिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल (सेनि) वीपी मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई के बढ़ते दौर में भी ईमानदारी, साहस, संवेदनशीलता और सही निर्णय लेने जैसे मानवीय गुणों का महत्व कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए इन मूल्यों को जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है। सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आईएएस अधिकारी हैं विवेक अत्रे ने एआई के दौर में नेतृत्व, नैतिक जिम्मेदारी और मानव बुद्धिमत्ता की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वहीं, विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि प्रभावी संचार कौशल, सही बॉडी लैंग्वेज और श्रोताओं से अच्छा जुड़ाव किसी भी वक्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इन गुणों से वक्ता अपने विचार श्रोताओं तक बेहतर ढंग से पहुँचा सकता है और उन पर अच्छा प्रभाव छोड़ सकता है।

एसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आईएएस विवेक अत्रे का सम्मान करते हुए, उनके साथ पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल (सेनि) वीपी मलिक भी नजर आ रहे हैं। (छायाः कमलजीत सिंह)

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
08-Mar-2026
Page: 5
http://www.ajitsamachar.com/20260308/20/5/1_1.cms

एसडी कॉलेज में पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता आयोजित

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से एआई के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई। प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया, अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डी.एस. चीमा और डॉ. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उनके भाषणों पर उपयोगी सुझाव व प्रोत्साहन दिया।

Dainik Savera Times 8-3-26

एआई के दौर में सफलता के लिए जरूरी हैं मानवीय गुण : जनरल वी.पी. मलिक

जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 में पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता में रवनीत ने जीता पहला स्थान, अर्शदीप दूसरे व नैनी रहीं तीसरे स्थान पर

प्रतियोगिता में उपस्थित अतिथि और प्रिंसिपल।

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 7 मार्च : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के पोस्ट ग्रैजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से ''एआई के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई। प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया। अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डी.एस. चीमा और डॉ. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उनके भाषणों पर उपयोगी सुझाव व प्रोत्साहन दिया।

सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आईएएस अधिकारी हैं । विवेक अत्रे ने एआई के दौर में नेतृत्व, नैतिक जिम्मेदारी और मानव बुद्धिमत्ता की भूमिका पर अपने विचार सांझा किए।

एसडी कॉलेज में पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता आयोजित, छात्रों ने एआई और मानव मूल्यों पर रखे विचार

- **एआई के दौर में सफलता के लिए जरूरी हैं मानवीय गुण**
- **प्रतियोगिता में रवनीत ने जीता पहला स्थान, अर्शदीप दूसरे व नैनी रहीं तीसरे स्थान पर**

डेमोक्रेटिक फ्रंट चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से एआई के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला।

प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई।

प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया, अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डी.एस. चौमा और डॉ. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उनके भाषणों पर

उपयोगी सुझाव व प्रोत्साहन दिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल (सेनि) वीपी मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई के बढ़ते दौर में भी ईमानदारी, साहस, संवेदनशीलता और सही निर्णय लेने जैसे मानवीय गुणों का महत्व कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए इन मूल्यों को जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है। सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आईएएस अधिकारी हैं विवेक अत्रे ने एआई के दौर में नेतृत्व, नैतिक जिम्मेदारी और मानव बुद्धिमत्ता की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वहीं, विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि प्रभावी संचार कौशल, सही बॉडी लैंग्वेज और श्रोताओं से अच्छा जुड़ाव किसी भी वक्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है।

इन गुणों से वक्ता अपने विचार श्रोताओं तक बेहतर ढंग से पहुँचा सकता है और उन पर अच्छा प्रभाव छोड़ सकता है।

एआई के दौर में सफलता के लिए जरूरी हैं मानवीय गुण : जनरल वी.पी. मलिक

एसडी कॉलेज में पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता आयोजित, छात्रों ने एआई और मानव मूल्यों पर रखे विचार

देश प्यार चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से "एआई के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण" विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई।

प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया, अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डी.एस. चीमा और डॉ. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उनके भाषणों पर उपयोगी सुझाव व प्रोत्साहन दिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल (सेनि) वीपी मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई के बढ़ते दौर में भी ईमानदारी, साहस, संवेदनशीलता और सही निर्णय लेने जैसे मानवीय गुणों का महत्व कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए इन मूल्यों को जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है।सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आईएएस अधिकारी हैं विवेक अत्रे ने एआई के दौर में नेतृत्व, नैतिक जिम्मेदारी और मानव बुद्धिमत्ता की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वहीं, विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि प्रभावी संचार कौशल, सही बॉडी लैंग्वेज और श्रोताओं से अच्छा जुड़ाव किसी भी वक्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इन गुणों से वक्ता अपने विचार श्रोताओं तक बेहतर ढंग से पहुँचा

Divya Himachal 8-3-26

जोश

एसडी कालेज के छात्रों ने पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता में मानव मूल्यों पर रखे विचार

एसडी कालेज में थिंक टैंक कंपीटीशन

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से एआई के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदन शीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई। प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया। अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डा. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डीएस चीमा और डा. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उनके भाषणों पर उपयोगी सुझाव व प्रोत्साहन दिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल सेनि. वीपी मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई के बढ़ते दौर में भी ईमानदारी, साहस, संवेदनशीलता और सही निर्णय लेने जैसे मानवीय गुणों का महत्व कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए इन मूल्यों को जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है। सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आईएएस अधिकारी हैं विवेक अत्रे ने एआई के दौर में नेतृत्व, नैतिक जिम्मेदारी और मानव बुद्धिमत्ता की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वहीं, विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कालेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा ने कहा कि प्रभावी संचार कौशल, सही बॉडी लैंग्वेज और श्रोताओं से अच्छा जुड़ाव किसी भी वक्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इन गुणों से वक्ता अपने विचार श्रोताओं तक बेहतर ढंग से पहुंचा सकता है।

■ रवनीत ने हासिल किया पहला स्थान

जीजीडीएसडी कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रतिभा और जागरूकता का दिखा एक अनोखा संगम

महिलाओं की प्रतिभा और सशक्तिकरण को मिला मंच विभिन्न प्रतियोगिताओं और व्याख्यान का आयोजन

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (चंडीगढ़ चैप्टर, एनआईआरसी) के सहयोग से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और जागरूकता समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती कौशल्या देवी वर्मा चैरिटेबल इंस्टीट्यूट की प्रतिभागियों के लिए आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं से हुई। इन प्रतियोगिताओं में हेयर स्टाइलिंग, रंगोली बनाना, कढ़ाई, नेल आर्ट और मेहंदी लगाने जैसी गतिविधियां शामिल थीं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। औपचारिक कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि श्रीमती कौशल्या देवी वर्मा चैरिटेबल इंस्टीट्यूट में विभिन्न कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाता है। उन्होंने यातायात जागरूकता अभियानों के महत्व पर भी जोर दिया और एसडी आदर्श फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में इस संस्था ने सेवा भाव से जुड़े विद्यार्थियों के साथ एक मजबूत आधार तैयार किया है। कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इनमें द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (चंडीगढ़ चैप्टर) के चेयरमैन सुरेश कुमार पिल्लई और सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित दीपमाला बागड़ी शामिल थे। कार्यक्रम में सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पौधे भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान फोर्टिस कैंसर इंस्टीट्यूट, मोहाली के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के एमडी डॉ. नरेंद्र भल्ला ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और उपचार विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इसके अलावा डॉ. हर्षनीत कौर ने महिलाओं के स्वास्थ्य और उनके समग्र कल्याण पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। वहीं इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता सत्र आयोजित करते हुए सुरक्षित यातायात के महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने भजन और अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। इसके साथ ही दर्शकों के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां और खेल भी आयोजित किए गए, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और सहभागिता का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम

एआई के दौर में सफलता के लिए जरूरी हैं मानवीय गुण : जनरल वी.पी. मलिक

पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता आयोजित, रवनीत ने जीता पहला स्थान

➪ अर्शदीप दूसरे व नैनी रहीं तीसरे स्थान पर

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से 'एआई के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण' विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई।

प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया, अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डी.एस. चीमा और डॉ. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उनके भाषणों पर उपयोगी सुझाव व प्रोत्साहन दिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल (सेनि) वीपी मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई के बढ़ते दौर में भी ईमानदारी, साहस, संवेदनशीलता और सही निर्णय लेने जैसे मानवीय गुणों का महत्व कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए इन मूल्यों को जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है।

सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आईएएस अधिकारी हैं विवेक अत्रे ने एआई के दौर में नेतृत्व, नैतिक जिम्मेदारी और मानव बुद्धिमत्ता की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वहीं, विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि प्रभावी संचार कौशल, सही बॉडी लैंग्वेज और श्रोताओं से अच्छा जुड़ाव किसी भी वक्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इन गुणों से वक्ता अपने विचार श्रोताओं तक बेहतर ढंग से पहुँचा सकता है और उन पर अच्छा प्रभाव छोड़ सकता है।

GGDSD College hosts Public Speaking Competition on human values

Students showcase communication skills, ethics and leadership in AI-era success-themed event

Chandigarh: The PG Department of English at Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma College, in collaboration with Suvichar Think Tank, organised a Public Speaking Competition focusing on the theme "Human Qualities Needed for Success in the Era of AI." The event aimed to highlight the continuing importance of human values and soft skills in a technologically advanced world.

Over 85 students participated in the preliminary rounds, demonstrating keen interest and enthusiasm. From these, seven finalists were selected to present in the final round, delivering speeches in English, Punjabi, and Hindi, reflecting the rich linguistic diversity and communication skills of the participants.

Guests and Principal present at the competition

The Chief Guest, General V. P. Malik, former Chief of Army Staff, addressed the gathering and stressed the enduring significance of integrity, courage, empathy, and sound judgment, emphasizing that human qualities remain indispensable even amid rapid AI advancements.

Mr Vivek Atray, Founder of Suvichar Think Tank and former IAS officer, offered insights on leadership, ethical responsibility, and the irreplaceable role of human intelligence, inspiring students to balance technological proficiency with personal and professional ethics.

The panel of judges, including Dr Balram Gupta, Mrs Neena Singh, Col D. S. Cheema, and Dr Richa Gaind, provided constructive feedback, encouraging participants to refine their presentation style and communication techniques.

Punjab Kesari 8-3-26

पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता : छात्रों ने ए.आई. और मानव मूल्यों पर रखे विचार

ए.आई. के दौर में सफलता के लिए जरूरी हैं मानवीय गुण : जनरल वी.पी. मलिक

प्रतियोगिता में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, सात छात्रों को फाइनल राऊंड के लिए चुना

चंडीगढ़, 7 मार्च (रश्मि हंस) : सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट-ग्रैजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से 'ए.आई. के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण' विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ए.आई. के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राऊंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई।

पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।

प्रतियोगिता में रवनीत ने पाया पहला स्थान

प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया, अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डी.एस. चीमा और डॉ. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल वी.पी. मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ए.आई. के बढ़ते दौर में भी ईमानदारी, साहस, संवेदनशीलता और सही निर्णय लेने जैसे मानवीय गुणों का महत्व कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए इन मूल्यों को जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है।

सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी हैं विवेक अत्रे ने ए.आई. के दौर में नेतृत्व, नैतिक जिम्मेदारी और मानव बुद्धिमत्ता की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वहीं, विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि प्रभावी संचार कौशल, सही बॉडी लैंग्वेज और श्रोताओं से अच्छा जुड़ाव किसी भी वक्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इन गुणों से वक्ता अपने विचार श्रोताओं तक बेहतर ढंग से पहुंचा सकता है और उन पर अच्छा प्रभाव छोड़ सकता है।

एआई के दौर में सफलता के लिए जरूरी हैं मानवीय गुण : जनरल वीपी मलिक

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की ओर से सुविचार थिंक टैंक के सहयोग से 'एआई के दौर में सफलता के लिए आवश्यक मानवीय गुण' विषय पर पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच मानव मूल्यों, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और नैतिकता जैसे गुणों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता को छात्रों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिला। प्रारंभिक दौर में 85 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से सात छात्रों को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। फाइनल में प्रतिभागियों ने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी में अपने भाषण दिए, जिससे उनकी भाषाई विविधता और बोलने की क्षमता सामने आई। प्रतियोगिता में रवनीत ने पहला स्थान प्राप्त किया, अर्शदीप दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नैनी ने तीसरा स्थान हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. बलराम गुप्ता, नीना सिंह, कर्नल डी.एस. चीमा और डॉ. ऋचा गैंड शामिल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया और उनके भाषणों पर उपयोगी सुझाव व प्रोत्साहन दिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल (सेनि) वीपी मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई के बढ़ते दौर में भी ईमानदारी, साहस, संवेदनशीलता और सही निर्णय लेने जैसे मानवीय गुणों का महत्व कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए इन मूल्यों को जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है। सुविचार थिंक टैंक के संस्थापक और पूर्व आईएएस अधिकारी हैं विवेक अत्रे ने एआई के दौर में नेतृत्व, नैतिक जिम्मेदारी और मानव बुद्धिमत्ता की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वहीं, विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि प्रभावी संचार कौशल, सही बॉडी लैंग्वेज और श्रोताओं से अच्छा जुड़ाव किसी भी वक्ता के लिए बहुत